O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test 1(Round-1) (2024 – 2025)

Class / XI **MM: 20**

Subject: ---------- **Time: 1 :00 Hr**

Name: .---------- Roll No.:_____

सामान्य निर्देश: **सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**

प्र01 अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (1 x 4 = 4)

भारत प्राचीनतम संस्कृति का देश है। यहाँ दान पुण्य को जीवनमुक्ति का अनिवार्य अंग माना गया है। जब दान देने को धार्मिक कृत्य मान लिया गया तो निश्चित तौर पर दान लेने वाले भी होंगे। हमारे समाज में भिक्षावृत्ति की ज़िम्मेदारी समाज के धर्मात्मा, दयालु व सज्जन लोगों की है। भारतीय समाज में दान लेना व दान देना-दोनों धर्म के अंग माने गए हैं। कुछ भिखारी खानदानी होते हैं क्योंकि पुश्तों से उनके पूर्वज धर्म स्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए हैं।

कुछ भिखारी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं जो देश में छोटी-सी विपत्ति आ जाने पर भीख का कटोरा लेकर भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। इसके अलावा अनेक श्रेणी के और भी भिखारी होते हैं। कुछ भिखारी परिस्थिति से बनते हैं तो कुछ बना दिए जाते हैं। कुछ शौकिया भी। इस व्यवसाय में आ गए हैं। जन्मजात भिखारी अपने स्थान निश्चित रखते हैं। कुछ भिखारी अपनी आमदनी वाली जगह दूसरे भिखारी को किराए पर देते हैं। आधुनिकता के कारण अनेक वृद्ध मज़बूरीवश भिखारी बनते हैं। गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं। काम न मिलना भी भिक्षावृत्ति को जन्म देता है। कुछ अपराधी बच्चों को उठा ले जाते हैं तथा उनसे भीख मँगवाते हैं। वे इतने हैवान हैं कि भीख माँगने के लिए बच्चों का अंग-भंग भी कर देते हैं। भारत में भिक्षा का इतिहास बहुत पुराना है। देवराज इंद्र व विष्णु श्रेष्ठ भिक्षुकों में थे। इंद्र ने कर्ण से अर्जुन की रक्षा के लिए उनके कवच व कुंडल ही भीख में माँग लिए। विष्णु ने वामन अवतार लेकर भीख माँगी। धर्मशास्त्रों ने दान की महिमा का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जिसके कारण भिक्षावृत्ति को भी धार्मिक मान्यता मिल गई। पूजा-स्थल, तीर्थ, रेलवे स्टेशन, बसस्टैंड, गली-मुहल्ले आदि हर जगह भिखारी दिखाई देते हैं। इस कार्य में हर आयु का व्यक्ति शामिल है। साल-दो साल के दुध मुँहे बच्चे से लेकर अस्सी-नब्बे वर्ष के बूढ़े तक को भीख माँगते देखा जा सकता है। भीख माँगना भी एक कला है, जो अभ्यास या सूक्ष्म निरीक्षण से सीखी जा सकती है। अपराधी बाकायदा इस काम की ट्रेनिंग देते हैं। भीख रोकर, गाकर, आँखें दिखाकर या हँसकर भी माँगी जाती है। भीख माँगने के लिए इतना आवश्यक है कि दाता के मन

में करुणा जगे। अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर दाता करुणामय होकर परंपरा निर्वाह कर पुण्य प्राप्त करता है।

i. भारत में जीवन मुक्ति का अनिवार्य अंग किसे माना गया है ?

(अ) दान-पुण्य को (ब) केवल दान को

(स) केवल पुण्य को (द) संस्कृति को

ii. धर्मशास्त्रो में किसे धार्मिक मान्यता प्राप्त है?

(अ) दान को (ब) पुण्य को

(स) भिक्षावृत्ति को (द) करुणा को

iii. भिखारी दाता के मन में किस भाव को जगाते हैं ?

(अ) करुणा के (ब) अहंकार के

(स) दानी के (द) अशक्तता के

iv. भिक्षावृत्ति से कैसे छुटकारा पाया जा सकता हे?

(अ) भीख माँगने की प्रवृत्ति को छोड़कर (ब) उसे धर्म के प्रभाव से अलग करके

(स) उसे समाज से अलग करके (द) उसे दानियों से अलग करके

प्र02 जनसंचार के दो कार्य लिखिए। (2)

अथवा

'डिकोडिंग' से क्या तात्पर्य है

प्र03 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1 'नमक का दारोगा' पाठ का कौन–सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ? (3)

2 मुंशी वंशीधर को सरकारी नौकरी से क्यों हटा दिया गया था ? 'नमक का दारोगा' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए। (2)

प्र04 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1 कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है ? (3)

2 'हम तौ एक एक करि जानां' पद का भाव स्पष्ट कीजिए। (2)

प्र05 शास्त्रीय और चित्रपट संगीत में क्या अंतर है ? भारतीय गायिकाओ में बेजोड़ लता मंगेस्कर पाठ के आधर पर स्पष्ट कीजिए। (5)

अथवा

चित्रपट संगीत ने लोगों के कान विगाड़ दिए ' अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें।

———000———